प्रकाशन की आत्मा – एक भविष्यसूचक प्रजा भाग- 3
रविवार, 19 अक्टूबर 2025 – उपदेश रूपरेखा

#1 प्रकाशन की आत्मा आत्मिक बोध देती है या आत्मिक समझ लेकर आती है।

इफिसियों 1:15-20 HINOVBSI
15 इस कारण, मैं भी उस विश्वास का समाचार सुनकर जो तुम लोगों में प्रभु यीशु पर है और सब पवित्र लोगों पर प्रगट है,
16 तुम्हारे लिये धन्यवाद करना नहीं छोड़ता, और अपनी प्रार्थनाओं में तुम्हें स्मरण किया करता हूँ
17 कि हमारे प्रभु यीशु मसीह का परमेश्वर जो महिमा का पिता है, तुम्हें अपनी पहचान में ज्ञान और प्रकाश की आत्मा दे,
18 और तुम्हारे मन की आँखें ज्योतिर्मय हों कि तुम जान लो कि उसकी बुलाहट की आशा क्या है, और पवित्र लोगों में उसकी मीरास की महिमा का धन कैसा है,
19 और उसकी सामर्थ्य हम में जो विश्वास करते हैं, कितनी महान् है, उसकी शक्ति के प्रभाव के उस कार्य के अनुसार
20 जो उसने मसीह में किया कि उसको मरे हुओं में से जिलाकर स्वर्गीय स्थानों में अपनी दाहिनी ओर

उसके व्यक्ति को जानो (“उसे जानो”)
उसके उद्देश्य को जानो
उसकी व्यवस्था को जानो (अपने लोगों के लिये उसकी मीरास)
उसकी सामर्थ को जानो

#2 प्रकाशन की आत्मा राज्य के भेदों की समझ प्रदान करती है।

मत्ती 13:10-13 HINOVBSI
10 चेलों ने पास आकर उससे कहा, “तू लोगों से दृष्टान्तों में क्यों बातें करता है?”
11 उस ने उत्तर दिया, “तुम को स्वर्ग के राज्य के भेदों की समझ दी गई है, पर उनको नहीं।
12 क्योंकि जिसके पास है, उसे दिया जाएगा, और उसके पास बहुत हो जाएगा; पर जिसके पास कुछ नहीं है, उससे जो कुछ उसके पास है, वह भी ले लिया जाएगा।

13 मैं उनसे दृष्टान्तों में इसलिये बातें करता हूँ कि वे देखते हुए नहीं देखते और सुनते हुए नहीं सुनते, और नहीं समझते।

#3 प्रकाशन की आत्मा, आत्मा के प्रकाशनात्मक वरदानों के माध्यम से व्यक्त होकर, लोगों के जीवनों को प्रभावित करती है।

1 कुरिन्थियों 12:7-11 HINOVBSI
7 किन्तु सब के लाभ पहुँचाने के लिये हर एक को आत्मा का प्रकाश दिया जाता है।
8 क्योंकि एक को आत्मा के द्वारा बुद्धि की बातें दी जाती हैं, और दूसरे को उसी आत्मा के अनुसार ज्ञान की बातें।
9 किसी को उसी आत्मा से विश्वास, और किसी को उसी एक आत्मा से चंगा करने का वरदान दिया जाता है।
10 फिर किसी को सामर्थ्य के काम करने की शक्ति, और किसी को भविष्यद्वाणी की, और किसी को आत्माओं की परख, और किसी को अनेक प्रकार की भाषा, और किसी को भाषाओं का अर्थ बताना।
11 परन्तु ये सब प्रभावशाली कार्य वही एक आत्मा कराता है, और जिसे जो चाहता है वह बाँट देता है।

#3 (क) ज्ञान के वचन का वरदान – भूतकाल या वर्तमान घटनाओं का प्रगटीकरण करना।
#3(ख) बुद्धि के वचन का वरदान – परमेश्वर की योजना और उद्देश्यों का प्रगटीकरण करना

#3(ग) भविष्यवाणी का वरदान – आनेवाली घटनाओं का प्रगटीकरण करना

#3(घ) आत्माओं को परखने का वरदान – अदृश्य लोक का प्रगटीकरण करना, चाहे वह लोगों के हृदय हों या आत्मिक लोक।

प्रकाशन की आत्मा से प्राप्त करना

क. अपनी आत्मा में आत्मा की बात सुनो।

ख. अपनी आत्मिक योग्यताओं को चोखा बनाओ।

मत्ती 13:15
क्योंकि इन लोगों का मन मोटा हो गया है, और वे कानों से ऊँचा सुनते हैं और उन्होंने अपनी आँखें मूंद ली हैं; कहीं ऐसा न हो कि वे आँखों से देखें, और कानों से सुनें और मन से समझें, और फिर जाएँ, और मैं उन्हें चंगा करूँ।'

इब्रानियों 5:11,14
11 इसके विषय में हमें बहुत सी बातें कहनी हैं, जिनका समझाना भी कठिन है, इसलिये कि तुम ऊँचा सुनने लगे हो।

14 पर अन्न सयानों के लिये है, जिनकी ज्ञानेन्द्रियाँ अभ्यास करते-करते भले-बुरे में भेद करने में निपुण हो गई हैं।

ग, उसके निर्देशों का पालन करें